Announcements by The Speaker-Contd.

(ii) Sitting of Lok Sabha in the New Parliament Building from 19.09.2023 at 01.15 PM

माननीय अध्यक्ष : माननीय सदस्यगण, आज लोक सभा के इस गरिमापूर्ण और ऐतिहासिक कक्ष में सदन की बैठक के अंतिम दिन अत्यंत सारगर्भित और सकारात्मक चर्चा हुई है ।

माननीय प्रधानमंत्री जी और सभी दलों के माननीय सदस्यों ने भारत की अब तक की लोकतांत्रिक यात्रा पर अपने अनुभव, अपने विचारों को साझा किया, ऐतिहासिक घटनाओं एवं निर्णयों के बारे में अपने विचार व्यक्त किए । यहां के पुराने सुखद अनुभवों को भी सभी ने अपनी-अपनी भावनाओं से व्यक्त किया । अब समय आ गया है, जब लोकसभा की आगे की कार्यवाही संसद के नए भवन से संचालित होगी । यह हम सबके लिए ऐतिहासिक और अविस्मरणीय पल है । अब जब हम नए भवन में प्रवेश करने जा रहे हैं, तब इस भवन की स्मृतियाँ हमारे हृदय में सदैव अंकित रहेंगी ।

आप सभी माननीय सदस्यों से आग्रह है कि लोकतंत्र की इस 75 वर्ष की यात्रा में आपने जिस प्रकार इस सदन की गरिमा, मर्यादा और प्रतिष्ठा को स्थापित किया है, उसी प्रकार आप नए भवन में भी हमारे संसदीय लोकतंत्र की प्रतिष्ठा और मर्यादा के नए प्रतिमान स्थापित करेंगे । हमारे सभी माननीय पूर्व सदस्यों और नेताओं ने यहाँ की गरिमा और प्रतिष्ठा के साथ अच्छी चर्चा व संवाद किए, जिसके कारण हमारे लोकतंत्र की सामर्थ्य बढ़ी है, देश में प्रतिष्ठा बढ़ी है ।

अब हम नए भवन में अपने संसदीय लोकतंत्र की यात्रा शुरू करेंगे । मुझे आशा है कि नए संसद भवन में हम नए प्रतिमान स्थापित करेंगे । मैं यह भी अपेक्षा करता हूं कि जो कुछ भी पुरानी घटनाएं हैं, विशेष रूप से मेरा आग्रह रहेगा, जैसे प्लेकार्ड लाना, नियोजित तरीके से सदन स्थगित करना, ऐसी घटनाओं का हम यहाँ त्याग करेंगे । हम नए संसदीय परंपराओं और श्रेष्ठ परंपराओं को स्थापित करेंगे, ऐसी मेरी अपेक्षा है । मेरी यह भी अपेक्षा है कि नए भवन में नई ऊर्जा और

संकल्प के साथ हम बेहतर परिपाटियाँ स्थापित करेंगे । आपने सदन में विचार भी व्यक्त किया कि सदन में कैसी-कैसी चर्चा हुई है, श्रेष्ठ डिबेट हुई है, उससे भी श्रेष्ठ डिबेट और चर्चा, मुद्दों पर चर्चा हम नए संसद भवन में करेंगे, ऐसी मेरी अपेक्षा है ।

मेरा भी इस भवन से बहुत लगाव रहा है । आप सभी ने इस सदन में 4 साल 3 महीने मुझे सहयोग किया है । आप आगे भी सहयोग करेंगे, ऐसी मैं अपेक्षा करता हूं । मेरा अनुभव रहा है कि सदन में जिस तरीके से कई गंभीर मुद्दों पर पूरे सदन ने एकमत होकर देश और राष्ट्र के हित में निर्णय लिये हैं, उससे भी बेहतर निर्णय हम नए संसद भवन में एकमत एवं सामूहिकता से लेंगे, ताकि भारत के लोकतंत्र की प्रतिष्ठा विश्व में और बढ़े । आज भी भारत का लोकतंत्र पूरे विश्व के लिए मार्गदर्शक की भूमिका के रूप में है । मुझे आशा है कि नया भवन आपके लिए नई ऊर्जा के साथ इन संकल्पों को पूरा

करेगा । आप सभी ने जो चर्चा की, उसके लिए मैं पुन: बहुत-बहुत धन्यवाद देता हूं ।